## संपादकीय

### श्रमिकों की उत्पादकता भी बढ़ाए लेबर कोड

वर्तमान में देश में लगभग 40 श्रम कानून लागू हैं। सरकार ने इन्हें समेट कर 4 लेबर कोड में संकलित कर दिया है। इन नये कानूनों को एक अप्रैल से लागू होना था, जिसे सरकार ने चुनाव के कारण कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया है। चुनाव के बाद इन्हें शीघ्र ही लागू किये जाने की पूरी संभावना है। इन लेबर कोड को बनाने के पीछे सरकार की मंशा श्रम कानूनों को सरल करने की थी, जिससे कि देश के उद्यमियों के लिए श्रमिकों को रोजगार देना आसान हो जाए और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अधिक संख्या में रोजगार उत्पन्न हो सकें।

लेबर कोड के प्रावधानों में कुछ श्रमिकों के पक्ष में हैं तो कुछ उनके विपरीत हैं। जैसे यदि किसी श्रमिक को कोई आरोप लगाकर मुअत्तल किया जाता है तो अब व्यवस्था कर दी गयी है कि 90 दिन में उसकी जांच पूरी की जायेगी। पूर्व में ग्रेच्युटी कई वर्षों के बाद लागू होती थी, जिसे अब एक वर्ष के बाद लागू कर दिया गया है। अल्पकाल के लिए रखे गये श्रमिकों को अब वे सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी जो स्थाई श्रमिकों को उपलब्ध हैं। ये प्रावधान श्रमिकों के हित में हैं।

इसके विपरीत उद्यमों को बंद करने अथवा श्रमिकों की छंटनी करने के लिए पूर्व में 100 से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाली कम्पनियों के लिए सरकार से अनुमति लेनी जरूरी थी। अब इसे 300 से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाली कम्पनियों पर लागू किया गया है। 100 से 300 श्रमिकों को रोजगार देने वाली कम्पनियों को सरकार से अनुमति लेने से मुक्त कर दिया गया है। यह श्रमिकों के विपरीत है। इस प्रकार नया लेबर कोड मिश्रित है।

देखना यह है कि नये लेबर कोड से रोजगार उत्पन्न करने को कितना प्रोत्साहन दिया जाएगा? इसके लिए हमें समझना होगा कि उद्यमी द्वारा रोजगार किन परिस्थितियों में उत्पन्न किये जाते हैं। उद्यमी को सस्ता माल बनाना होता है, जिससे कि वह बाजार में अपना माल बेच सके। सस्ता माल बनाने के लिए जरूरी है कि वह उत्पादन में श्रम की लागत को कम करे। उसके लिए जरूरी है कि वह श्रम की उत्पादकता बढ़ाये, यानी एक श्रमिक से ही पूर्व की तुलना में अधिक उत्पादन कराए। जैसे एक श्रमिक पूर्व में 10 मीटर कपड़ा एक दिन में बुनाई करता था वही श्रमिक यदि अब 20 मीटर कपड़ा बुनाई करने लगे तो उद्यमी की उत्पादन लागत कम हो जाती है और वह बाजार में अपने सस्ते माल को बेच पाता है।

लेकिन अधिक उत्पादन करने के कारण अब कम श्रमिकों की जरूरत पड़ती है। मान लीजिये पूर्व में उद्यमी प्रतिदिन 100 मीटर कपड़ा एक दिन में बेच पाता था और वह 10 मीटर प्रति श्रमिक की दर से 10 श्रमिकों को रोजगार देता था। उत्पादकता बढ़ाने के बाद उसी 100 मीटर कपड़े का उत्पादन करने के लिए अब 20 मीटर प्रति श्रमिक की दर से उसे केवल पांच श्रमिकों की जरूरत होगी। इस प्रकार सस्ते माल और रोजगार के बीच सीधा अन्तर्विरोध है। यदि माल सस्ता बनाते हैं तो रोजगार कम होते है।

चीन का माडल इससे भिन्न था जो विशेष परिस्थितियों में लागू हुआ था। चीन ने श्रमिक की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ अपने बाजार का भारी विस्तार किया। जैसे मान लीजिये पूर्व में चीन में एक श्रमिक 10 मीटर कपड़े की बुनाई करता था, उत्पादकता बढ़ाने के बाद वह 20 मीटर कपड़ा बुनने लगा। लेकिन इसी अवधि में चीन का बाजार 100 मीटर से बढ़कर 400 मीटर हो गया तो 400 मीटर कपड़े का उत्पादन करने के लिए बढ़ी हुई उत्पादकता के बावजूद 20 श्रमिकों की जरूरत पड़ेगी। 20 श्रमिक 20 मीटर कपड़ा प्रतिदिन बुनेंगे तब 400 मीटर कपड़े का उत्पादन होगा। इस प्रकार यदि बाजार का भारी विस्तार होता रहे तो श्रमिक की उत्पादकता के बढ़ने के साथ-साथ रोजगार भी बढ़ सकते हैं। लेकिन यह विशेष परिस्थिति थी जब चीन ने विश्व बाजार पर अपना प्रभुत्व बनाया था। यदि बाजार का तीव्र विस्तार न हो तो उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ रोजगार के बढ़ने की संख्या निश्चित रूप से घटेगी। कटु सत्य यह है कि यदि श्रम की उत्पादकता बढ़ाई जाती है तो सीमित बाजार होने के कारण रोजगार घटते हैं और यदि श्रम की उत्पादकता नहीं बढ़ाई जाती है तो उद्यमी के लिए श्रम के स्थान पर मशीन का उपयोग करना लाभप्रद हो जाता है और पुनः रोजगार में गिरावट आती है। इन दोनों कठिन विकल्पों के बीच हमें श्रम की उत्पादकता तो बढ़ानी ही पड़ेगी। यदि श्रम की उत्पादकता नहीं बढ़ाई जायेगी तो उद्यमी स्वचालित मशीनों का उपयोग करेगा और श्रमिक पूरी तरह बाजार से बाहर हो जाएगा।

*-भरत झुनझुनवाला*

# गैर-बासमती चावल का निर्यात 129 फीसदी बढ़ा, गेहूं 727 फीसदी

## कोरोनाकाल में भारत ने जरूरतमंद देशों को अनाज मुहैया करवाया

**नईदिल्ली।** कोरोना महामारी के संकट के समय भारत ने अपनी 1.35 करोड़ आबादी के लिए खाद्यान्नों की जरूरतों की पूर्ति करने के साथ-साथ दूसरे जरूरतमंद देशों को भी अनाज मुहैया करवाया है। यही वजह है कि देश से गैर-बासमती चावल के निर्यात में बीते वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 129 फीसदी का उछाल आया। वहीं, गेहूं के निर्यात में 727 फीसदी का इजाफा हुआ। कोरोना काल के दौरान देश में जब पूर्ण बंदी यानी लॉकडाउन के समय खाद्य वस्तुओं के अलावा अन्य उत्पाद बनाने वाले तमाम कल-कारखाने बंद हो गए थे और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का कामकाज ठप पड़ गया था तब भी भारत

में खेती-किसानी का काम निर्बाध चल रहा था। देश में खाद्य पदार्थों की सप्लाई दुरुस्त रखने की व्यवस्था के साथ-साथ सरकार ने देश से निर्यात सुगम बनाने के उपाय किए, जिसके फलस्वरूप अनाजों के निर्यात में जोरदार इजाफा हुआ।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 458.8 करोड़ डॉलर मूल्य का गैर-बासमती चावल निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष 2019-20 में दश से 200.1 करोड़ डॉलर मूल्य का गैर-बासमती चावल का निर्यात हुआ था। इस प्रकार, गैर-बासमती चावल के निर्यात में 129 फीसदी का इजाफा हुआ।

भारत कुछ साल पहले अपनी घरेलू जरूरतों की पूर्ति के लिए गेहूं आयात करता था, लेकिन पांच साल से लगातार गेहूं के उत्पादन में बन रहे नये रिकॉर्ड से अब देश में चावल के साथ-साथ गेहूं का भी अपनी जरूरतों से ज्यादा भंडार बना हुआ है और कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में भारत अपने पड़ोसी देशों के अलावा अन्य देशों को भी गेहूं निर्यात कर रहा है।

कृषि मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, भारत ने 2020-21 में करीब 51.55 करोड़ डॉलर मूल्य का गेहूं निर्यात किया है जबकि इससे पिछले साल 2019-20 में भारत ने 623.6 लाख डॉलर मूल्य का गेहूं निर्यात किया था। इस प्रकार, गेहूं के निर्यात में 727 फीसदी का इजाफा हुआ है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात प्राधिकरण यानी एपीडा के के पूर्व अधिकारी ए. के. गुप्ता ने बताया कि कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी भारत ने दूसरे देशों की अनाज की जरूरतों को पूरा किया। उन्होंने कहा कि निस्संदेह इसका श्रेय देश के किसानों को जाता है जिनकी मेहनत के कारण आज देश न सिर्फ खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर है, बल्कि देश में घरेलू जरूरतों से ज्यादा खाद्यान्नों का उत्पादन हो रहा है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई-जून) के दूसरे अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 30.33 करोड़ टन रह सकता है, जिनमें चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 12.03 करोड़ टन, गेहूं का रिकॉर्ड 10.92 करोड़ टन, पोषक व मोटा अनाज 493 लाख टन, मक्का 301.6 लाख टन और दलहनी फसल 244.2 लाख टन शामिल है।

## युवा विश्व मुक्केबाजी में भारत का लगातार दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन

**नईदिल्ली ।** भारतीय मुक्केबाजों ने पोलैंड में चल रही युवा विश्व चैम्पियनशिप में लगातार दूसरे दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए सारे मैच जीते जबकि महिला टीम में से 2 मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। पूनम (57 किलो) और विंका (60 किलो) ने अंतिम आठ में जगह बनाई। पूनम ने हंगरी की बीटा वारगा को हराया जबकि विंका ने बोस्निया और हर्जेगोविना की तारा बोहाजुक को मात दी। दोनों मुकाबले तीसरा दौर पूरा होने से पहले ही रैफरी ने रोक दिये। पुरुष वर्ग में एशियाई युवा चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अंकित नरवाल (64 किलो) ने स्लोवाकिया के मिरोस्लाव हरसेग को 5.0 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना उजबेकिस्तान के अखमदजोन अखमेदोव से होगा। वहीं, 91 किलो वर्ग में विशाल गुप्ता ने बुल्गारिया के जार्जी स्टोएव को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई । अब वह क्रोएशिया के बोरना लोंकारिक से खेलेंगे। विकास (52 किलो) भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जिन्होंने बुल्गारिया के यासेन राडेव को 5.0 से मात दी। भारत ने टूर्नामेंट में दस पुरूष और दस महिला मुक्केबाज भेजे हैं । टूर्नामेंट में 52 देशों के 414 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

## ई-नाम पर 5 साल में हुआ 1.30 लाख करोड़ का कारोबार

**नईदिल्ली ।** कृषि उत्पादों के व्यापार का इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) को पांच साल पूरे हो गए हैं और इस दौरान करीब 1.70 करोड़ किसान इस मंच से जुड़ चुके हैं, जबकि जो व्यारी इससे जुड़े हैं उनकी तादाद 1.63 लाख है। साथ ही, इस मंच पर अब तक करीब1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य का कुल संयुक्त व्यापार रिकॉर्ड किया गया है। राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) का शुभारंभ 14 अप्रैल 2016 को हुआ था। बुधवार 14 अप्रैल को को इसकी पांचवीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने

यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश का एक बड़ा वर्ग कृषि सुधारों का समर्थन कर रहा है।

उन्होंने कहा, जब तक साहसपूर्वक सुधार नहीं किए जाते, तब तक किसी भी क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करना बहुत मुश्किल काम है। ई-नाम प्रोजेक्ट हो या कृषि सुधार बिल, ये सब किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने वाले हैं, किसानों की आमदनी बढ़ाने वाले हैं, किसानों के घर में समृद्धि लाने वाले हैं, किसानों के बच्चों को कृषि की ओर आकर्षित करने वाले हैं। इसलिए भारत सरकार पूरी दृढ़ता के साथ इस पर काम कर रही है।

भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों की सुविधा के लिए ई-नाम पर मंडी जानकारी पृष्ठ, ई-नाम प्लेटफॉर्म के साथ आईएमडी मौसम पूवार्नुमान सूचना का एकीकरण और सहकारी मॉड्यूल जैसे नए मॉड्यूल लांच किए गए।

तोमर ने कहा कि 1000 मंडियों में ई-नाम की सफलता को देखते हुए अब 1000 अतिरिक्त मंडियों को जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इस मौके पर कृषि राज्यमंत्री परषोत्तम रूपाला और कैलाश चौधरी भी मौजूद थे।

## कोहली बीते दशक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर, तेंदुलकर और कपिल को भी सम्मान

**नईदिल्ली ।** भारतीय कप्तान विराट कोहली को विजडन अलमैनाक ने 2010 वाले दशक का सर्वश्रेष्ठ एक दिवसीय क्रिकेट चुना है, जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स को लगातार दूसरे साल 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। बत्तीस वर्ष के कोहली ने अगस्त 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एक दिवसीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार कोहली ने 254 वनडे में 12169 रन बनाये हैं। विजडन ने कहा,'पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की 50वीं सालगिरह पर हर दशक से पांच वनडे क्रिकेटरों को चुना गया है। इसने अपनी वेबसाइट पर कहा ,'1971 से 2021 के बीच हर दशक के लिये एक सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। कोहली को 2010 वाले दशक के लिये चुना गया। विश्व कप 2011 विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे कोहली ने दस साल में 11000 से ज्यादा रन बनाये हैं जिसमें 42 शतक शामिल हैं। सचिन तेंदुलकर को नब्बे के दशक का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। तेंदुलकर ने 1998 में नौ वनडे शतक जमाये थे। भारत के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को अस्सी के दशक का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया।

## दीपिका पादुकोण का फैंस को बड़ा तोहफा, वेबसाइट की लॉन्च

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की झलक के लिए फैंस दीवाने रहते हैं. दीपिका पादुकोण फैंस को अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से सभी को दीवाना करती हैं. दीपिका को फैंस ने आखिरी बार जनवरी 2020 में रिलीज हुई फिल्म धपाक में देखा था. इस फिल्म के बाद से एक्ट्रेस की फिल्म का फैंस इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने फैंस को बड़ी खुशखबरी है. एक्ट्रेस ने आखिरकार अपनी वेबसाइट लॉन्च कर दी है.

दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. कुछ दिनों पहले दीपिका ने अपने सारे पोस्ट इंस्टाग्राम के डिलीट कर दिए थे. इसके बाद से अब अपने हर एक नए पोस्ट के जरिए एक्ट्रेस फैंस को खुद से जुड़ी जानकारी देती रहती हैं. अब एक्ट्रेस ने अपनी बेवसाइट जारी कर दी है.

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने गुरुवार को 'दीपिका पादुकोण डॉट कॉम' नाम की वेबसाइट लॉन्च की है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के माध्यम से वेबसाइट लॉन्च की घोषणा की है. पीकू एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन भी लिखा है. एक्ट्रेस ने लिखा है कि अनुभव दीपिका पादुकोण डॉट कॉम . दीपिका ने प्रशंसकों को समझाते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी वेबसाइट के बारे में विवरण था.

उन्होंने उल्लेख किया कि वेबसाइट में क्या सामग्री होगी. दीपिका पादुकोण की वेबसाइट पर उनकी आगामी परियोजनाएं, सामाजिक कार्य और अन्य सुविधाएं भी होंगी.

दीपिका पादुकोण के इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में कहा है कि हाय, मैं आज अपनी वेबसाइट लॉन्च करने के लिए उत्सुक हूं. यह कई महीनों से कामों में है और कोरोना महामारी के कारण इसमें देरी हुई है, लेकिन, यह अंत में यहाँ है अब यह तैयार है! मेरा मानना है कि इसमें ऐसे तत्व हैं जो मेरे व्यक्तित्व का विस्तार करेंगे.

## उर्वशी रौतेला ने मारी तमिल इंड्रस्टी में एंट्री

बॉलीवुड में काम करने के बाद अब उर्वशी रौतेला तमिल इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं. उर्वशी ने बॉलीवुड में कई फिल्में की हैं लेकिन कोई भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई है. जिसकी वजह से उन्होंने अब तमिल इंडस्ट्री में कदम रखने का फैसला लिया है.उन्होंने अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. हालांकि अभी तक फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है. उर्वशी अपनी पहली फिल्म के साथ इस इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं.

उर्वशी रौतेला की इस फिल्म की बात करें तो यह एक बिग बजट फिल्म है. जिसमें वह एक आईआईटीयन के किरदार में नजर आएंगी. रिपोर्ट्स की माने तो इस फिल्म में उर्वशी के साथ एक्टर सरवनन नजर आने वाले हैं. वह हाल ही में मनाली में उनके साथ स्पॉट हुई थीं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की शूटिंग अभी काफी बाकी है.

उर्वशी रौतेला इस मेगा बजट फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये चार्ज कर रही हैं. उर्वशी तीसरी बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं जो फिल्म के लिए इतना चार्ज कर रही हैं. उर्वशी से पहले दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा साउथ की फिल्म के लिए सबसे ज्यादा चार्ज कर चुकी हैं. प्रियंका ने तमिल फिल्म तमीजान से अपना डेब्यू किया था वहीं दीपिका ने फिल्म कोचडीयान में रजनीकांत के साथ काम किया था.

## सड़क पर शीन दास ने दिए स्टाइलिश पोज, नजर आई बेहद खूबसूरत

टेलीविजन एक्ट्रेस शीन दास को तो आप जानते ही होंगे बता दे कि वह कई सारी टेलीविजन सीरियल में काम कर चुकी है और आज वह अपनी एक्टिंग के कारण काफी पॉपुलर हो चुकी है .

बता दें कि इस अभिनेत्री की फैन फॉलोइंग सोशल मीडिया पर भी काफी अच्छी है और वह आए दिन अपनी खूबसूरत और स्टाइलिश तस्वीरें लोगों के साथ शेयर करती रहती है, जिसे प्रशंसकों के द्वारा काफी पसंद भी किया जाता है .

हाल ही में शीन दास ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसमें वह स्टाइलिश पोज देती हुई नजर आ रही है . आप इन तस्वीरों में देख सकते हो कि सड़क पर वह काफी खूबसूरत लग रही है और जींस में वो काफी हॉट दिखाई दे रही है .

## लॉकडाउन में घर पर बनाएं मसाला चीज़ पूड़ी

चाय के साथ हो, सब्जी, अचार या फिर चटनी, चीज़ मसाला पूड़ी का स्वाद हर एक के साथ लगेगा मज़ेदार। तो कैसे बनाएं इसे, जानेंगे इसकी क्रिक रेसिपी।

### सामग्री :

मैदा- 1 कप, आटा- 1/4 कप, सूजी- 2 टेबलस्पून, चीज़- 1/2 कप (कद्दूकस किया), पनीर- 1/2 कप (कद्दूकस किया), लहसुन का पेस्ट- 2 टेबलस्पून, इटैलियन हर्ब्स- 2 टेबलस्पून, धनिया पत्ती- 2 टेबलस्पून (कटी हुई), रिफाइंड तेल- 2 टेबलस्पून, नमक और काली मिर्च- स्वादानुसार, तलने के लिए तेल, पानी आवश्यकतानुसार

### विधि :

बाउल में दोनों आटा, पनीर, चीज़, लहसुन पाउडर, तेल और इटैलियन हर्ब्स मिक्स कर लें। हल्का गुनगुना पानी डालते हुए सॉफ्ट आटा गूंथ लें। पतले कपड़े से ढककर फ्रिज में 10-15 मिनट तक रख दें। कड़ाही में तेल गर्म कर पूड़ियां तल लें। एक बार में एक ही पूड़ी तलें। एक साइड में सुनहरा होने के बाद ही उसे पलटें। पेपर टॉवेल में रखकर एक्स्ट्रा ऑयल को हटा दें। अब मसाला चीज़ पूड़ी को चाय, चटनी या अचार के साथ सर्व करें।

## शब्द सामर्थ्य- 50

**बाएं से दाएं**
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

**ऊपर से नीचे**
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

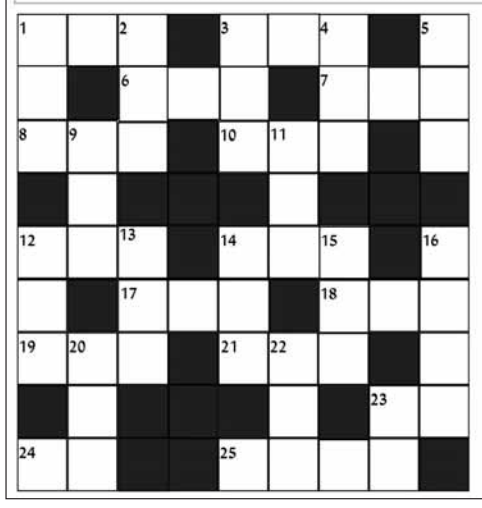

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दा | ढ़ी | | की | | खा | सो | आ | म |
| वा | | त | म | न्ना | | | जा | |
| न | जा | क | त | | बा | अ | द | ब |
| ल | | ली | | वि | ला | प | | हा |
| | अ | फ | सा | ना | | मा | हि | र |
| दा | ब | | | श | गु | न | | |
| न | | उ | प | का | र | | शि | |
| व | | त्स | | र | | त | क | ला |
| | सा | व | न | | गु | रु | वा | र |

## सू-दोकू- 50

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | 4 | | | 7 | |
| | | 6 | 9 | | 2 | | | 1 |
| | 7 | | | 6 | | 8 | | 2 |
| 1 | | | | | | | 8 | |
| | 8 | | | 5 | | 2 | | 3 |
| 3 | | 2 | | | 4 | | 1 | |
| | 3 | | 2 | | | 4 | | |
| | | 8 | | 1 | 6 | | | 7 |
| 9 | | | 4 | | | | 2 | |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र 49 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 6 | 8 | 2 | 5 | 4 | 7 | 1 |
| 8 | 2 | 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 3 | 9 |
| 7 | 1 | 4 | 6 | 9 | 3 | 8 | 2 | 5 |
| 1 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 |
| 2 | 6 | 7 | 5 | 4 | 8 | 1 | 9 | 3 |
| 5 | 4 | 3 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 6 |
| 6 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 1 | 8 |
| 9 | 5 | 1 | 7 | 8 | 6 | 3 | 4 | 2 |
| 4 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 | 9 | 6 | 7 |

## आज का राशिफल

*मेष :* बिगड़े हुए संबंधों में सुधार के लिए अच्छे भावना और निष्ठा पूर्वक संलग्नता की आवश्यकता है। सामाजिकता व पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में व्यस्तता रहेगी।

*वृषभः* कुछ असामान्य स्थितियां नकारात्मक चिन्ताओं को उत्पन्न करेंगी। महत्वपूर्ण कायरे में लापरवाही न करें अन्यथा बाद में पश्चताना पड़ सकता है। ध्यान रहें कि कोई भी महत्वपूर्ण संबंध विगड़ने न पायें।

*मिथुन :* किसी महत्वपूर्ण कार्य के परिणाम के प्रति मन चिन्तित हो सकता है। परिवार में श्रेष्ठ जनों का सम्मान करें। सूझ-बूझ के साथ आप व्यय करें।

*कर्क :* प्रयासरत् क्षेत्रों में अवरोधों से मन खिन्न होगा, परन्तु संबंधों के लाभ से समस्याओं का समाधान होगा। मजाकिया व हसमुख स्वभाव दूसरों को आकषिर्त करेगा।

*सिंह :* व्यवसाय में समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रय शील होगा। तामसिक एवं खराब प्रवृति के लोगों से दूरी बनाएं। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें।

*कन्या :* सही समय पर सही निर्णय लेने की चेष्ठा करें। बेकार के कायरे में व्यस्तता से मन खिन्न होगा। कुछ चिन्ताएं मन पर प्रभावी होंगी मन में सकारात्मक विचारों की उत्पत्ति होगी।

*तुलाः* नई दिशा में आपकी योजना आपको ऊर्जावान बनाएंगी पर लेन-देन में सावधानी बरतें। शिक्षा में लापरवाही न बरतें।

*वृश्चिकः* प्रयासरत् क्षेत्र में कोई असफलता मानसिक अवसाद जन्म दे सकती है। रोजगार में परिश्रमानुकूल लाभ मिलेगा। किसी संबंध में प्रगाढ़ता निजी संबंधों में कटुता पैदा कर सकती है।

*धनु :* कोई मुद्दा विवाद का कारण बन सकता है। अच्छा होगा कि परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

*मकर :* जीवन साथी से मधुर वाणी का उपयोग करें। आवेश में कोई कार्य न करें। यात्रा में सावधानी बरतें। नवीन संबंधों में आकषर्ण बढ़ेगा।

*कुंभ :* कुछ नई कठिनाईयों का बोध हो सकता है। चापलूस तथा धूर्त या खराब प्रवृति के लोगो से दूर रहें। अपने अन्दर धैर्य व साहस बनाए रखे।

*मीन :* संबंधों में कोई मुद्दा कटुता ला सकता है तथा वाणी में संयम रखते हुए हर बात को मधुरता पूर्वक प्रस्तुत करें। थोड़ा अर्थाभव मन को परेशान कर सकता है।